

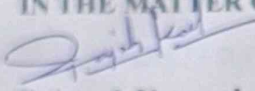
BEFORE THE HON'BLE NATIONAL GREEN TRIBUNAL
PRINCIPAL BENCH AT NEW DELHI

Rejoinder by Applicant

In

ORIGINAL APPLICATION NO. 1322 OF 2024

IN THE MATTER OF


Rajneesh Karnwal

APPLICANT IN PERSON

Versus

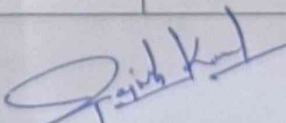
Union of India through Secretary, Ministry of Environment, Forest and Climate

Change and ors.

RESPONDENTS

INDEX

S.No	Particulars	Page No.
1.	Rejoinder by Applicant	1-2
2.	Affidavit	3
3.	Annexure 1	4
4.	Annexure 2	5
5.	Annexure 3	6



Rajneesh Karnwal

Applicant in Person

Date : 28.11.2024

Place : Meerut

BEFORE THE HON'BLE NATIONAL GREEN TRIBUNAL
PRINCIPAL BENCH AT NEW DELHI

Rejoinder by Applicant

In

ORIGINAL APPLICATION NO. 1322 OF 2024

IN THE MATTER OF

Rajneesh Karnwal

APPLICANT IN PERSON

Versus

Union of India through Secretary, Ministry of Environment, Forest and Climate
Change and ors.

RESPONDENTS

Rejoinder by Applicant

MOST RESPECTFULLY SHOWETH;

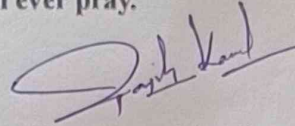
I, Rajneesh Kumar, aged about 39 years, resident of R/o, B/17 Main Road Hastinapur, District Meerut, Uttar Pradesh do hereby solemnly affirm and declare as under:

1. That the applicant has lodged a complaint to DFO Meerut on the **Jansunwai Portal** (wide reference no **40013824035534**) regarding illegal construction activities taking place within the Hastinapur Sanctuary. The filed complaint is attached herewith and marked as **ANNEXURE 1**.
2. That the applicant has lodged a complaint to officials of tehsil Mawana District Meerut on the **Jansunwai Portal** (wide reference no **40013824035757**) regarding illegal construction activities taking place within the Hastinapur Sanctuary. The filed complaint is attached herewith and marked as **ANNEXURE 2**.
3. That illegal mining activities are being conducted within the sanctuary area in the Hastinapur region. In this regard, a news report published in the *Jamwani* newspaper, dated 23rd November 2024, on page 6 of the Meerut edition, is annexed herewith and marked as **ANNEXURE 3**.



In view of the above submissions, the Applicant humbly prays for appropriate reliefs as deemed just and necessary by this Hon'ble Tribunal.

And for this act of kindness, the Applicant shall ever pray.

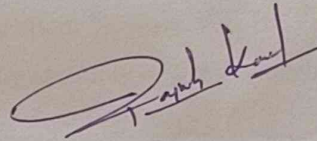


Signature of Applicant In Person

VERIFICATION



I, Rajneesh Karnwal the applicant herein, do hereby verify that the contents of the above paragraphs are true to the best of my Knowledge and grounds are based on legal advice and that I have not suppressed any material fact.



Signature of Applicant In Person

Date : 28.11.2024

Place : Meerut

ATTESTED

NOTARY 28/11/24

N.K. GIRI

Advocate

Mawana (Meerut)

**BEFORE THE NATIONAL GREEN TRIBUNAL
AT PRINCIPAL BENCH, NEW DELHI**
(Under Section 18 read with Sections 14, 15 of National Green Tribunal Act 2010)

ORIGINAL APPLICATION No 1322 of 2024

IN THE MATTER OF

Rajneesh Karnwal

Versus

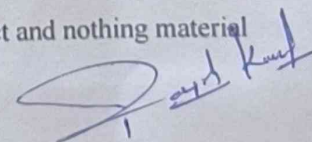
Union of India through Secretary, Ministry of Environment, Forest and Climate Change and ors.



AFFIDAVIT

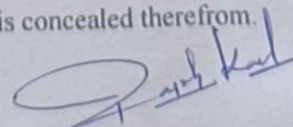
I, Rajneesh Karnwal, S/o, Shri. Yashpal Singh aged about 39 years, R/o, B/17 Main Road Hastinapur, District Meerut, Uttar Pradesh do hereby solemnly affirm and declare as under:

1. That I am the Applicant/ Applicant In Person in above mentioned application and I am fully conversant with the facts and circumstances of the case and therefore competent to swear this affidavit.
2. That, the statements made in above paragraphs of this affidavit is true to my knowledge and belief.
3. That the contents of the Original Application are true and correct and nothing material has been concealed therefrom.


Applicant In Person

VERIFICATION

Verified on this **28 day of Nov 2024** that the contents of the present Application are true and correct to my knowledge and belief and nothing material is concealed therefrom.


Applicant In Person /Deponent

ATTESTED

NOTARY
N.K. GIRI
Advocate
Mawana (Meerut)

ANNEXURE 1**जनसुनवाई**

समन्वित शिकायत निवारण प्रणाली, उत्तर प्रदेश

सन्दर्भ संख्या:- 40013824035534

लामार्थी का विवरण

नाम	Rajnesh Karnwal	पिता/पति का नाम	Yashpal Karnwal
मोबाइल नंबर(१)	9897127888	मोबाइल नंबर(२)	
आधार कार्ड न.		ई-मेल	
पता	तहसील - मवाना, जिला - मेरठ		

आवेदन पत्र का ब्यौरा

आवेदन पत्र का संक्षिप्त ब्यौरा	सेवा में, डीएफओ मेरठ विषय: हस्तिनापुर संपुटी क्षेत्र में हो रहे अतिक्रमण के संदर्भ में कानूनी कार्यवाही हेतु निवेदन। महोदय, सविनय निवेदन है कि हस्तिनापुर संपुटी क्षेत्र, जो कि जैव विविधता और पर्यावरणीय संतुलन के लिए अति महत्वपूर्ण है, में निरंतर अंधाधुंध अतिक्रमण हो रहा है। यह क्षेत्र वन्यजीवों के संरक्षण और प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा हेतु संरक्षित घोषित किया गया है। सुप्रीम कोर्ट के आदेशानुसार एवं भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 के अंतर्गत प्रत्येक नागरिक को स्वच्छ और स्वस्थ पर्यावरण में जीने का मौलिक अधिकार प्राप्त है। हस्तिनापुर संपुटी के अंतर्गत अवैध निर्माण कार्य और अतिक्रमण न केवल प्राकृतिक पर्यावरण के लिए हानिकारक है, बल्कि इससे वन्य जीव-जंतुओं का आवास भी खतरे में पड़ गया है। यह गतिविधियाँ वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 और पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, 1986 के प्रावधानों का स्पष्ट उल्लंघन करती हैं। इसके अतिरिक्त, सुप्रीम कोर्ट और नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (NGT) के दिशा-निर्देशों के अनुसार संरक्षित क्षेत्रों में किसी भी प्रकार का निर्माण कार्य सख्त प्रतिबंधित है। अतः, आपसे निवेदन है कि कृपया इस विषय में तत्काल संगठन तैयार हुए आवश्यक कानूनी कार्यवाही करने का कष्ट करें। हस्तिनापुर कौरवान एवं पाण्डवान में अतिक्रमण को रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएं और दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही सुनिश्चित की जाए, ताकि इस क्षेत्र की प्राकृतिक संपदा और वन्यजीवों की सुरक्षा की जा सके। सादर,		
संदर्भ दिनांक	14-11-2024	पूर्व सन्दर्भ(चर्चि कोई है तो)	0,0
विभाग	पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग	शिकायत श्रेणी	सीमा/ वन भूमि सम्बन्धी विवाद/वन अधिकार अधिनियम

लामार्थी का विवरण/शिकायत क्षेत्र का

शिकायत क्षेत्र का पता	तहसील - मवाना, जिला - मेरठ
-----------------------	----------------------------

1800 Copy

ANNEXURE 2

11/16/24, 2:14 PM

IGRS | Dashboard

**जनसुनवाई**

समन्वित शिकायत निवारण प्रणाली, उत्तर प्रदेश

सन्दर्भ संख्या:- 40013824035757

लाभार्थी का विवरण

नाम	RAJNEESH KARNWAL	पिता/पति का नाम	YASHPAL SINGH
मोबाइल नंबर(१)	9897127888	मोबाइल नंबर(२)	
आधार कार्ड न.		ई-मेल	
पता	तहसील - मवाना, जिला - मेरठ		

आवेदन पत्र का ब्यौरा

आवेदन पत्र का संक्षिप्त ब्यौरा	विषय: हस्तिनापुर सेंचुरी क्षेत्र में हो रहे अतिक्रमण के संदर्भ में कानूनी कार्यवाही हेतु निवेदन। महोदय, सविनय निवेदन है कि हस्तिनापुर सेंचुरी क्षेत्र, जो कि जैव विविधता और पर्यावरणीय संतुलन के लिए अति महत्वपूर्ण है, में निरंतर अंधाधुंध अतिक्रमण हो रहा है। यह क्षेत्र वन्यजीवों के संरक्षण और प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा हेतु संरक्षित घोषित किया गया है। सुप्रीम कोर्ट के आदेशानुसार एवं भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 के अंतर्गत प्रत्येक नागरिक को स्वच्छ और स्वस्थ पर्यावरण में जीने का मौलिक अधिकार प्राप्त है। हस्तिनापुर सेंचुरी के अंतर्गत अवैध निर्माण कार्य और अतिक्रमण न केवल प्राकृतिक पर्यावरण के लिए हानिकारक हैं, बल्कि इससे वन्य जीव-जंतुओं का आवास भी खतरे में पड़ गया है। यह गतिविधियाँ वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 और पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, 1986 के प्रावधानों का स्पष्ट उल्लंघन करती हैं। इसके अतिरिक्त, सुप्रीम कोर्ट और नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (NGT) के दिया-निर्देशों के अनुसार संरक्षित क्षेत्रों में किसी भी प्रकार का निर्माण कार्य सख्त प्रतिबंधित है। अतः, आपसे निवेदन है कि कृपया इस विषय में तत्काल संज्ञान लेते हुए आवश्यक कानूनी कार्यवाही करने का कष्ट करें। हस्तिनापुर कौरवान एवं पाण्डवान में अतिक्रमण को रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएं और दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही सुनिश्चित की जाए, ताकि इस क्षेत्र की प्राकृतिक संपदा और वन्यजीवों की सुरक्षा की जा सके। सादर,		
संदर्भ दिनांक	16-11-2024	पूर्व सन्दर्भ(यदि कोई है तो)	0,0
विभाग	राजस्व एवं आपदा विभाग	शिकायत श्रेणी	सार्वजनिक भूमि जैसे तालाब, खासिदान, रामगान, खेल का मैदान, आरक्षित भूमि आदि पर कब्जा/ अतिक्रमण

लाभार्थी का विवरण/शिकायत क्षेत्र का

शिकायत क्षेत्र का पता	तहसील- मवाना, जिला- मेरठ
-----------------------	--------------------------

True Copy

Rajesh Kumar

ANNEXURE 3

6

दैनिक जनवाणी मेरठ, रामिद्वार, 23 नवम्बर 2024

मेरठ

www.dainikjanwani.com

खनन माफिया के आगे फेल सुप्रीम कोर्ट के आदेश रात भर सड़कों पर दौड़ रहे मिट्टी खनन से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली, पर्यावरण पर पड़ रहा प्रतिकूल प्रभाव



खनन माफिया द्वारा रात भर अवरुद्ध क्षेत्र के होकर गुजरने वाली सड़क बंद नजर दिखने से जटिल हुई मिट्टी।

● जनवाणी साकदवादा, इन्डियन न्यूज यू.सी. मिट्टी खनन प्रतिरोधित है। कानून प्रवर्धन को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने गन्तव्य बंद के खनन को रोकने के आदेश जारी किए। लेकिन प्रशासन की अनदेखी के चलते खनन माफिया सुप्रीम कोर्ट के आदेशों को वैकल्पिक धीमे-धीमे उलटने में सफल है। राजकीय क्षेत्र में हाथ डालते ही मिट्टी खनन जेलों से

मुक्त हो जाता है। यहाँ, क्षेत्र में चल रहे डेट-भट्टों भी कारभार-कानून को हवा में उड़ा रहे हैं। कब्र के लिए सुप्रीम कोर्ट ने खनन और उसी जुड़े कार्यों पर रोक लगा रखी है, लेकिन क्षेत्र के खनन माफिया सुप्रीम कोर्ट के आदेशों को धातु बहाकर मैटल कर्मचारी, माली, मोड़ मरदपुर गंगनार के लोच,

गजपुर, मखदमपुर, किन्नोरपुर कोमोपुर, विगरी, कुट्टी कमानपुर, कौन, सजला का जंगल, मखदमपुर रोड, बाघवास, खेड़ी मनिहार, भैंस रोड आदि के जंगल में रात के अंधेरे में जैसीकी क्या पोला पत्ता जाकर खनन करता है। सूचना के कद भी प्रशासनिक अभाव खनन माफिया पर करवाई करने से बचना नजर आता है।

सरकारी मिट्टी का भी हो रहा खनन यू.सी पुलिस प्रशासन और वन विभाग रात में घसक करने का दावा करते हैं, लेकिन इनके कद भी वन अवरुद्ध क्षेत्र से होकर गुजरने वाली सड़क गंग नहर की सड़क के दौरान निकाली गई मिट्टी खनन माफियाओं की भेंट चढ़ गई। खनन माफियाओं द्वारा वन विभाग की नाक के नीचे छिप गए खनन से रक्षावध को लक्ष्य रखते का बुना लगा, लेकिन विभाग को खबर नहीं लगी।

जानकारी के बाद भी नहीं होती करवाई सूचना की मने तो रात में गहराने वाले पीले पत्रों की जानकारी प्रशासनिक अधिकारियों को समाप्त ही जाती है। इसके बाद भी कोई कार्रवाई नहीं होती। खनन माफिया से संधा रखने वाले एक व्यक्ति ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि गुरुवार दिन रात क्षेत्र में हो रहे खनन की जानकारी उन्होंने एसडीएम, इन्डियन न्यूज, मखाना खनन अधिकारी को देने का प्रयास किया, लेकिन किसी ने भी फोन उठाना उचित नहीं समझा। खनन माफिया ने शुक्रवार सुबह तक अमकर खनन किया।

True Copy [Signature]